

\*\*आलोच्य ग्रंथ :-

१. यशपाल, "झूठा - सच", - प्रथम भाग - "वतन और देश",  
विप्लव कार्यालय, लखनऊ, तृतीय संस्करण  
१९६३, द्वितीय भाग - "देश का भविष्य",  
विप्लव कार्यालय - लखनऊ, द्वितीय संस्करण  
१९६३
२. रामानंदसागर, "और इन्सान मर गया", हिन्दुस्तानी पब्लिशिंग हाउस, बनारस,  
प्रथम आवृत्ती, ३०००
३. श्रीराम साहनी, "तमस", राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, द्वितीय  
संस्करण १९७७

\*\* हिन्दी ग्रंथ :-

१. ब्रजभूषण सिंह "आदर्श", "हिन्दी के राजनीतिक उपन्यासों का अनुशीलन",  
विश्व रचना प्रकाशन, प्रथम संस्करण १९७०
२. डॉ. बदरीप्रसाद, "हिन्दी में तुलनात्मक आलोचना", चिन्मोक्षा प्रकाशन,  
प्रथम संस्करण १९८६
३. डॉ. लक्ष्मीनारायण गर्ग, "हिन्दी कथा साहित्य में इतिहास", अभिनव भारती  
प्रकाशन, प्रथम संस्करण १९७४
४. डॉ. मंजुला गुप्ता, "हिन्दी उपन्यास में हिन्दू व्यक्ति और समाज का दृष्ट",  
सूर्य प्रकाशन, प्रथम संस्करण १९८६
५. डॉ. सुष्मा गुप्ता, "हिन्दी उपन्यासों में महाकाव्यात्मक चेतना",  
सूर्य प्रकाशन, प्रथम संस्करण १९८३

6. डॉ. कण्डीप्रसाद जोगी, "हिन्दी उपन्यास", : समाज शास्त्रीय विवेचन", अनुसन्धान प्रकाशन १९६२
7. डॉ. पुष्पा कोहड़, "हिन्दी के महाकाव्यात्मक उपन्यास," नविकेता प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण, १९८७
8. सुदर्शन मल्होत्रा, "यशपाल के उपन्यासों का मूल्यांकन", आदर्श आदर्श साहित्य प्रकाशन, प्रथम संस्करण १९७३
9. एम्. एल्. मेहता, "स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी वस्तु विकास एवं शिल्प - विधान," प्रगति प्रकाशन आगरा, संस्करण १९८४
10. डॉ. हेमराज निर्मम, "हिन्दी कथा साहित्य में भारत - विभाजन," संजय प्रकाशन, प्रथम संस्करण, १९८७
11. प्रवीण - नायक, "यशपाल का औपन्यासिक शिल्प," सरस्वती पुस्तक सदन आगरा, प्रथम संस्करण १९६३
12. अशोक पन्त, "गांधी शताब्दि और भारत," वर्मा ब्रदर्स वर्मा ब्रदर्स अँड कंपनी, संस्करण १९७०
13. राही मासूम रजा, "आधा गाँव", प्रथम संस्करण १९६६
14. प्रेमचन्द्र नारायण तिनहा, "आधुनिक हिन्दी कहानी साहित्य में समतामयिक जीवन की अभिव्यक्ति", अनुपम प्रकाशन, प्रथम संस्करण १९८०,
15. डॉ. सुरेश तिनहा, "हिन्दी कहानी उद्भव और विकास," अशोक प्रकाशन, प्रथम संस्करण १९६७

## \*\* मराठी ग्रन्थ :-

- ✓ १. डॉ. बी. आर. आंबेडकर, "पाकिस्तान अथवा भारताची प्वाळणी",  
सुगत प्रकाशन, अनुषाङ्क तुलसी पगारे,  
प्रथमावृत्ती १९८१
२. मधु लिमये, "स्वातंत्र्य चळवळीची विचारधारा,"
३. गोविंद तळवलकर, "सत्तांतरण १९४७," श्री. पु. भागवत  
मौज प्रकाशन, प्रथम संस्करण १९८३
-